हाँसी (पुण्योदय तीर्थ)

नाम एवं पता	**श्री 1008 भगवान पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पुण्योदय तीर्थ, हाँसी जिला – हिसार, (हरियाणा) पिन – 125 033**	
टेलीफोन	01663 – 254680, 257767	
क्षेत्र पर उपलब्ध सुविधाएँ	**आवास**	कमरे (अटैच बाथरूम) – ×, (बिना बाथरूम) – 18 हाल – 2 एवं 20 कमरे शहर की धर्मशाला में (क्षमता – 250), गेस्ट हाऊस – एक शासकीय व एक निजी **यात्री ठहराने की कुल क्षमता – 250**
	भोजनशाला	है
	औषधालय	है **पुस्तकालय** – नहीं
	विद्यालय	नहीं **एस.टी.डी./पी.सी.ओ.** – है
आवागमन के साधन	**रेलवे स्टेशन**	हाँसी (रेवाडी फाजिल्का लाईन पर) क्षेत्र से 1 कि.मी.
	बस स्टेण्ड	हाँसी (रेवाडी फाजिल्का लाईन पर) क्षेत्र से 4 कि.मी.
	पहुँचने का सरलतम मार्ग	दिल्ली से रेल एवं सड़क मार्ग द्वारा महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. – 10
निकटतम प्रमुख नगर	दिल्ली – 140 कि.मी., भटिंडा, रेवाडी, सिरसा, हिसार, रोहतक आदि	
प्रबन्ध व्यवस्था	**संस्था**	भगवान पार्श्वनाथ दि. जैन, अतिशय क्षेत्र प्रबन्धकारिणी समिति, हाँसी
	अध्यक्ष	श्री कमलेशचन्द्र जैन, हाँसी (01663 – 259585, 254387)
	मंत्री	श्री सचिन जैन, अधिवक्ता, हाँसी (01663 – 254297, 257669)
	प्रबन्धक	श्री अजीत जैन, हाँसी (01663 – 258089, 259883)
क्षेत्र का महत्व	**क्षेत्र पर मन्दिरों की संख्या**	**: 04**
	क्षेत्र पर पहाड़	**: नहीं**
	ऐतिहासिकता	: पांडवों के तोमरवंशीय शासकों ने यहाँ 1153 ई. तक राज्य किया। इस काल में यहाँ भगवान पार्श्वनाथ व अन्य तीर्थकरों के भव्य मन्दिर थे। तुर्क लुटेरों से बचाने के लिये प्रतिमाओं को भूमिगत कर दिया गया। यहाँ किले से अष्टधातु की 57 अमूल्य प्रतिमाएँ प्राप्त हुई हैं। सभी प्रतिमाएँ 8 वीं से 10 वीं शताब्दी के बीच की होने का अनुमान है। 40 बड़े आकार की व 17 छोटे आकार की मूर्तियाँ हैं। 19 प्रतिमाएँ भगवान पार्श्वनाथ की अति सुन्दर एवं मनोहारी हैं। प्राचीन बड़ा मंदिर 350 वर्ष पूर्व बना है। एक कांच का सुन्दर मंदिर भी है। नगर में तीन अन्य मंदिर भी हैं।
	विशेष जानकारी	: प्रस्तावित भव्य नये मन्दिर की लागत करीब 5 करोड़ रूपये होगी जिसका निर्माण कार्य जारी है। एक मंजिल एवं सीढ़ियाँ बनकर तैयार हैं।
समीपवर्ती तीर्थक्षेत्र	रोहतक – 75 कि.मी., रानीला – 75 कि.मी., तिजारा – 200 कि.मी., श्री महावीरजी – 350 कि.मी.। ये सभी अतिशय क्षेत्र हैं।	